(पाठ्यक्रम विवरण)

(Course Structure)

	पत्र Paper	कोर कोर्स Core Course	डिपार्टमेन्टल इलेक्टिव कोर्स Departmental Elective Course	ओपन इलेक्टिव Open Elective	क्रेडिट Credit	अंक Marks
प्रथम सेमेस्टर 1st Semester	5	5	-		20 (4x5)	500 (100x5)
द्वितीय सेमेस्टर 2nd Semester	5	5			20 (4x5)	500 (100x5)
तृतीय सेमेस्टर 3rd Semester	5	2	2	1	20 (4x5)	500 (100x5)
चतुर्थ सेमेस्टर 4th Semester	5	2	3		20 (4x5)	500 (100x5)
कु ल	20	14	5	1	80	2000

(चयन आधारित पद्धति)

पत्र-विवरण

पत्र संकेत संख्या (Paper Code)	पत्र का नाम	क्रेडिट	अंक	कुल क्रेडिट
प्रथम सत्र				
HINC-401	हिन्दी साहित्य का इतिहास- 1 (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	100	20 क्रेडिट
HINC-402	आदिकालीन साहित्य एवं निर्गुण भक्ति-काव्य	4	100	
HINC-403	भारतीय काव्य शास्त्र	4	100	
HINC-404	कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ	4	100	
HINC-405	भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि	4	100	
द्वितीय सत्र				
HINC-411	हिन्दी साहित्य का इतिहास-2 (आधुनिक कालीन काव्य)	4	100	20 क्रेडिट
HINC-412	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकाव्य	4	100	
HINC-413	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	4	100	
HINC-414	आधुनिक काव्य	4	100	
HINC-415	हिन्दी नाटक एवं निबंध	4	100	
तृतीय सत्र				
HINC-501	हिन्दी साहित्य का इतिहास- 3 (गद्य साहित्य एवं पत्रकारिता)	4	100	20 क्रेडिट
HINC-502	हिन्दी आलोचना और आलोचक	4	100	
HINE-503(क) HINE-503(ख) HINE-503(ग)	भारतीय साहित्य पर्यावरण शिक्षा एवं हिन्दी काव्य दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन	4	100	
HINE-504(क) HINE-504(ख)	निर्गुण-भक्ति काव्य लोक साहित्य	4	100	

HINE-504(ग)	छायावाद			
HINO-505(क) HINO-505(ख) HINO--505(ग)	हिन्दी में रचनात्मक एवं प्रयोगात्मक कौशल कविता, कहानी तथा अन्य विधाएँ हिन्दी भाषा शिक्षण	4	100	
चतुर्थ सत्र				20 क्रेडिट
HINC-511	समकालीन हिन्दी काव्य	4	100	
HINC-512	हिन्दी उपन्यास और आत्मकथा	4	100	
HINE- 513 (क)	अरुणाचली लोक साहित्य	4	100	
HINE-513(ख)	तुलनात्मक भारतीय साहित्य			
HINE-513(ग)	हिन्दी पत्रकारिता			
HINE-514(क)	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	100	
HINE-514(ख)	अनुवाद: सिद्धांत एवं व्यवहार			
HINE-514(ग)	हिन्दी सिनेमा और साहित्य			
HINE-515(क)	लघु शोध प्रबन्ध, अनुवाद, साहित्यिक निबन्ध लेखन	4	100	
HINE-515(ख)	तुलसीदास			
HINE-515(ग)	जयशंकर प्रसाद			

कुल क्रेडिट : 80
CC- 56 (14 X4)
DET- 20
OE- 4
20 X 100= 2000

प्रत्येक सत्र (Semester) में 5 पत्र हैं। प्रत्येक पत्र के लिये 4-4 क्रेडिट तथा 100-100 अंक निर्धारित हैं। प्रथम एवं द्वतीय सत्र में अध्ययन के लिये निर्धारित सभी पत्र कोर पत्र हैं। तृतीय तथा चतुर्थ सत्र में प्रथम दो-दो पत्र कोर पत्र हैं तथा शेष वैकल्पिक हैं। वैकल्पिक पत्रों में प्रत्येक के लिये क, ख और ग के रूप में तीन-तीन विकल्प दिये गये हैं, जिनमें से एक-एक का चयन विद्यार्थी को करना है। पत्र संख्या HINO-515 हिन्दी के साथ-साथ दूसरे विषयों के स्नात्तकोत्तर विद्यार्थियों के लिये भी उपब्ध होगा। इस पत्र के लिये भी तीन विकल्प निर्धारित हैं, जिनमें से किसी एक का चयन विद्यार्थियों को करना है।

पत्र संकेत संख्या (Paper Code) में HINC में HIN का सम्बन्ध हिन्दी विषय से है तथा C का अर्थ Core Course है। इसी तरह HINE में E Elective Theory Paper का अर्थ संकेतक है तथा HINO में O अक्षर Open Elective का द्योतक है।

HINC-401

हिन्दी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल से रीतिकाल तक)

इकाई 1 : साहित्य का इतिहास दर्शन और इतिहास लेखन की पद्धतियां; साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ; हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्य का इतिहास: काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण व्याख्यान -12

इकाई 2: आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां; रासो साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, बौद्ध-सिद्ध साहित्य; अमीर खुसरो की हिन्दी कविता एवं लोक काव्य; आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियां; आदिकालीन साहित्य की भाषा।

व्याख्यान –12

इकाई 3: भक्ति-आन्दोलन : उद्भव और विकास; भक्तिकाल की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां; भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्त: प्रादेशिक वैशिष्ट्य; भक्ति साहित्य की विभिन्न धाराएं- संत काव्य, सूफी काव्य, कृष्ण काव्य; राम काव्य; परिचय, प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाएं और रचनाकार: भक्तिकालीन साहित्य और लोकजागरण, भक्तिकालीन कवियों की भाषा दृष्टि एवं काव्य भाषा। व्याख्यान – 12

इकाई 4: रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि एवं परिस्थितियां; रीति की अवधारणा और रीति काव्य; रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं : सामान्य परिचय, रचनाएं, रचनाकार एवं प्रमुख प्रवृत्तियां; रीतिकालीन काव्य भाषा एवं अभिव्यंजना शिल्प।

व्याख्यान-12

अंक विभाजन
पूर्णांक – 100
अभ्यंतर – 20
बाह्य – 80

निर्देश :

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4= 60
2. सभी इकाइयों से कुल आठ टिप्पणियां पूछी जाएगीं जिनमें से चार का उत्तर लिखना होगा। 5×4=20

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का अतीत : भाग 1, 2 - विनय प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रहमनाल, वाराणसी।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
9. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी - आ. नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
11. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
    प्रथम एवं द्वितीय खण्ड - डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
12. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. राम कुमार वर्मा, लोकभारती
13. साहित्य और इतिहास दर्शन - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
14. साहित्य की समाजशास्त्रीय भूमिका - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
15. आलम (हिंदी कवि) - भवदेव पाण्डेय , साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
16. कबीर - प्रभाकर माचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
17. केशव दास - जगदीश गुप्त, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
18. चंडी दास - सुकुमार सेन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
19. गोस्वामी तुलसीदास - रामजी तिवारी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
20. गोरखनाथ - नागेन्द्र नाथ उपाध्याय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
21. घनानन्द - लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINC-402

आदिकालीन साहित्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य

इकाई 1 :

क. सरहपाद

सिद्ध साहित्य का अन्त:प्रादेशिक प्रभाव, सिद्ध साहित्य और सरहपा, सरहपाद का काव्यगत वैशिष्ट्य, सरहपाद और सन्तकाव्य।

पाठ्य पुस्तक आदिकालीन काव्य, सम्पा.- वासुदेव सिंह; विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

पाठांश- दोहा कोष से दोहा संख्या – 1,2,5,6,7,9,11,12,13 तथा 14। व्याख्यान -12

ख. **चंदवरदाई**

शशिव्रता विवाह प्रस्ताव का प्रतिपाद्य; पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता; शशिव्रता विवाह प्रस्ताव का काव्यगत वैशिष्ट्य; रासो की काव्य-भाषा।

पाठ्यपुस्तक - पृथ्वीराज रासो-संपादक- हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह छंद सं. 1 से 18 तक

व्याख्यान -12

इकाई 2 :

क. विद्यापति

गीतिकाव्य परम्परा और विद्यापति पदावली; पदावली में भक्ति और शृंगार; विद्यापति की सौन्दर्य दृष्टि तथा विद्यापति का काव्यगत वैशिष्ट्य।

पाठ्यपुस्तक- विद्यापति पदावली; सम्पा.- डॉ. शिव प्रसाद सिंह

पाठांश–पद संख्या1से8,10,16,18,26,51,53,54,56,57,58 तथा 60। व्याख्यान -12

ख. जायसी

सूफी काव्य परम्परा और जायसी; नागमती वियोग वर्णन; जायसी का काव्यगत वैशिष्ट्य और पद्मावत का प्रेम-वर्णन।

पाठ्य पुस्तक – जायसी ग्रन्थावली; सम्पा- आ. रामचन्द्र शुक्ल

पाठांश –नागमती वियोग खण्ड, पद सं.- 4 से 15 तक व्याख्यान -12

इकाई 3 **क. कबीर**

कबीर की भक्ति; सन्त-काव्य और कबीर; कबीर-काव्य का सामाजिक पक्ष, कबीर की दार्शनिक चेतना।

पाठ्य पुस्तक – कबीर; आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

पाठांश-पद सं.– 1,2,33,41,123,130,134,160,163,168,191,199,224,247 तथा 256।

व्याख्यान -12

ख. शंकरदेव

शंकरदेव: व्यक्तित्व और कृतित्व; भक्ति का अखिल भारतीय स्वरूप और शंकरदेव; शंकरदेव की भक्ति; शंकरदेव की काव्य–भाषा और ब्रजवुलि।

पाठ्यपुस्तक – भूपेन्द्रराय चौधरी की पुस्तक शंकरदेव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
पाठांश – पुस्तक में संकलित पांचो बरगीत। व्याख्यान -12

इकाई 4:

क. रैदास

रैदास की भक्ति; रैदास की सामाजिक चेतना, रैदास का दर्शन, रैदास की काव्यगत विशेषताएँ।
पाठ्य पुस्तक – रैदास समग्र सम्पा- डॉ. युगेश्वर।
पाठांश – पद सं. 15,18,22,29,30,38,64,79,115,120।

ख. दादू

दादू-पन्थ और सन्त काव्य; सामाजिक सौहार्द्र और दादू; दादू का दार्शनिक वैशिष्ट्य; दादू-काव्य का भाषिक वैशिष्ट्य।
पाठ्य पुस्तक – संत-काव्य; सम्पा. आ. परशुराम चतुर्वेदी; किताब महल, इलाहाबाद।
पाठांश- प्रारम्भ से पांच पद व्याख्यान -12

अंक विभाजन
पूर्णांक – 100
अभ्यन्तर -20
बाह्य – 80

निर्देश

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो व्याख्याएं पूछी जायेंगीं, जिनमें से एक-एक व्याख्या करनी होगी। 8×4=32
2. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 12×4= 48

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
2. पृथ्वीराज रासो की भाषा - डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. कबीर बीजक की भाषा - डॉ. शुकदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. जायसी - विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
6. सूफीमत: साधना और साहित्य - डॉ. रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, काशी।
7. मध्यकालीन धर्म साधना - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
8. नाथ पंथ और संत साहित्य - डॉ. नगेन्द्रनाथ उपाध्याय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रकाशन।
9. संत साहित्य की समझ - डॉ. नन्द किशोर पाण्डेय, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।
10. मध्यकालीन काव्य आन्दोलन - डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र
11. साहित्य विमर्श का विवेक - डॉ. सुशील कुमार शर्मा, मीनाक्षी प्रकाशन, दिल्ली।
12. मधुमालती में प्रेम-व्यंजना - डॉ. सुशील कुमार शर्मा, उपहार प्रकाशन, दिल्ली।
13. शंकरदेव: साहित्यकार और विचारक - प्रो. कृष्णनारायण प्रसाद मागध।
14. दादूपन्थ: साहित्य और समाज दर्शन - डॉ. ओकेन लेगो; यश पब्लिकेशन, दिल्ली।
15. विद्यापति: अनुशीलन और मूल्यांकन - डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्त्व, बिहार ग्रन्थ अकादमी, पटना।
16. सामाजिक समरसता में मुसलमान हिन्दी कवियों का योगदान - डॉ. लखनलाल खरे, रजनी प्रकाशन, दिल्ली।
17. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान - डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
18. लोहित के मानसपुत्र : शंकरदेव - सांवरमल सांगानेरिया; हेरिटेज फाउंडेशन, के. वी. रोड, पल्टन बाज़ार, गुवाहाटी।
19. जगनिक - अयोध्या प्रसाद कुमुद, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
20. दादूदयाल - रामबक्ष, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
21. पुष्पदंत - योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण', साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
22. रहीम - विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
23. रैदास - धर्मपाल मैनी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
24. विद्यापति - रमानाथ झा, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
25. स्वयंभू - सदानन्द शाही, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
26. सरहपा - विश्वम्भर नाथ उपाध्याय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINC-403

भारतीय काव्य शास्त्र

इकाई: 1 भारतीय काव्यशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास; प्रमुख आचार्यों का परिचय; काव्य लक्षण; काव्य हेतु; काव्य प्रयोजन; काव्य के प्रकार; काव्य के गुण-दोष; शब्द-शक्तियाँ। व्याख्यान–12

इकाई: 2 **रस सिद्धान्त :**

रस: अवधारणा; स्वरूप और अंग; रस निष्पत्ति; साधारणीकरण; विभिन्न रसों का सोदाहरण विवेचन।

व्याख्यान–12

इकाई: 3 **विभिन्न काव्य सिद्धान्त :**

ध्वनि सिद्धान्त; रीति सिद्धान्त; वक्रोक्ति सिद्धान्त; औचित्य सिद्धान्त का परिचय। व्याख्यान –12

इकाई: 4 **अलंकार तथा छन्द विवेचन :**

अलंकार सिद्धान्त तथा निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय - अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, अनन्वय, उत्प्रेक्षा, प्रतीप, निदर्शना, अप्रस्तुत प्रशंसा, काव्यलिंग, विभावना, अपह्नुति, रूपकातिशयोक्ति तथा विरोधाभास।

छन्द विवेचन:

छन्द की परिभाषा और तत्व, छन्दों का वर्गीकरण; काव्य में छन्दों का महत्व। अग्रांकित छन्दों के लक्षण और उदाहरण- वंशस्थ, वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, कवित्त, दोहा, चौपाई, हरिगीतिका, कुण्डलिया, छप्पय तथा मुक्त छन्द। व्याख्यान – 12

अंक विभाजन
पूर्णांक – 100
अभ्यंतर – 20
बाह्य – 80

निर्देश

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4= 60
2. सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों के उत्तर लिखने हैं। टिप्पणी के लिये विकल्प भी होंगे। 5×4=20

सहायक ग्रंथ

1. हिस्ट्री आफ संस्कृत पोयटिक्स - पी.बी. काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. साहित्य शास्त्र - देश पाण्डे, पापुलर बुक डिपो, पूना।
3. भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी।
4. काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
5. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. रस सिद्धान्त - डॉ. नगेन्द्र
7. हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास - भगीरथ मिश्र
8. काव्य शास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
9. साहित्य शास्त्र और काव्य भाषा - डॉ. सियाराम तिवारी।
10. काव्य समीक्षा - डॉ. विक्रमादित्य राय।
11. लिटेरेरी क्रिटिसिज्म - राय एण्ड द्विवेदी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
12. नई समीक्षा के प्रतिमान - डॉ. निर्मला जैन
13. काव्य के तत्व - देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. साहित्य मीमांसा के आयाम - डॉ. श्याम शंकर सिंह, साहित्य सहकार, दिल्ली।
15. सुगम भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. धर्मदेव तिवारी शास्त्री, चन्द्रमुखी प्रकाशन, दिल्ली
16. काव्यशास्त्र विमर्श - डॉ. कृष्ण प्रसाद नारायण मागध, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. पंडितराज जगन्नाथ - पी. रामचन्द्रदु , साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
18. मम्मट - जगन्नाथ पाठक, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
19. राजशेखर - प्रभुनाथ द्विवेदी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
20. क्षेमेन्द्र - ब्रजमोहन चतुर्वेदी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINC -404

कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाईः 1 **कहानी**

राजेन्द्र बाला घोष (बंग महिला)	- दुलाईवाली
माधवराव सप्रे	- एक टोकरी भर मिट्टी
प्रेमचंद	- दुनिया का अनमोल रतन
जयशंकर प्रसाद	- आकाशदीप
जैनेन्द्र	- अपना-अपना भाग्य
फणीश्वरनाथ रेणु	- लाल पान की बेगम

इकाईः 2 **कहानी**

निर्मल वर्मा	- परिन्दे
अज्ञेय	- गैंग्रीन
भीष्म साहनी	- अमृतसर आ गया
कृष्णा सोवती	- सिक्का बदल गया
शेखर जोशी	- कोसी का घटवार
ज्ञानरंजन	-पिता

इकाईः 3 **रेखाचित्र और संस्मरण**

क. अतीत के चलचित्र	- महादेवी वर्मा।
पाठ्य रचनाएँ	- रामा; भाभी।
ख माटी की मूरतें	- रामवृक्ष बेनीपुरी।
पाठ्य रचनाएँ	- बलदेव सिंह; सरजू भैया।
ग संस्मरण और रेखाचित्र	- सम्पाः उर्मिला मोदी ; अनुराग प्रकाशन, वाराणसी।
पाठ्य रचना	- महाकवि जयशंकर प्रसाद- शिवपूजन सहाय।

इकाईः 4 **जीवनी**

आवारा मसीहा(विद्यार्थी संस्करण) - विष्णु प्रभाकर

अंक विभाजन
पूर्णांक- 100
अभ्यन्तर- 20
बाह्य- 80

निर्देशः

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगीं, जिनमें से एक-एक व्याख्या करनी होगी। 08×4=32

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 12×4=48

सहायक ग्रंथः-

1. हिन्दी कहानी का विकास - मधुरेश, लोकभारती , दिल्ली।

2. हिन्दी कहानी का इतिहास, भाग-I, II,III और IV - गोपाल राय, राजकमल, दिल्ली

3. हिन्दी कहानी: पहचान और परख - इन्द्रनाथ मदान

4. कहानी : नई कहानी - डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद।

5. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति - सं. देवीशंकर अवस्थी, राजकमल, दिल्ली।

6. समकालीन हिन्दी साहित्य : विविध परिदृश्य - रामस्वरूप चतुर्वेदी,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

7. हिन्दी जीवनी साहित्य: सिद्धान्त और अध्ययन - डॉ. भगवानशरण भारद्वाज, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।

8. हिन्दी गद्य का विकास - डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।

9. निर्मल वर्मा - कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

10. प्रेम चन्द्र - कमलकिशोर गोयनका, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

11. फणीश्वर नाथ 'रेणु' - सुरेन्द्र चौधरी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

12. भीष्म साहनी - रमेश उपाध्याय, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

13. यशपाल - कमला प्रसाद , साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

14. अमरकान्त - मधुरेश, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINC -405

भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि

इकाई: 1. भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण

भाषा : अर्थ एवं अवधारणा; परिभाषा एवं अभिलक्षण; भाषा के प्रकार; भाषा एवं बोली; भाषा-विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ : वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक। भाषा-विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बन्ध; अनुप्रयोगिक भाषा विज्ञान, संगणात्मक भाषा विज्ञान व्याख्यान-12

इकाई: 2. ध्वनि-विज्ञान और अर्थ विज्ञान

हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण - स्वर और व्यंजन; स्वरों का वर्गीकरण; व्यंजनों का वर्गीकरण; ध्वनि-परिवर्तन के कारण; ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएं।

अर्थ-विज्ञान : अर्थ की प्रतीति; शब्द और अर्थ का सम्बन्ध ; अर्थबोध के साधन; अर्थ-परिवर्तन की दिशाएं; अर्थ परिवर्तन के कारण। व्याख्यान-12

इकाई: 3. रूप-विज्ञान और वाक्य विज्ञान

रूप विज्ञान : रूपिम की अवधारणा; रूपिम के प्रकार; शब्द और पद में अन्तर; पद-सम्बन्धी रूप-परिवर्तन के कारण।

वाक्य-विज्ञान : वाक्य की परिभाषा; वाक्य की आवश्यकताएं; वाक्य के अंग; वाक्यों के प्रकार; वाक्य रचना में परिवर्तन के कारण। व्याख्यान-12

इकाई: 4. हिन्दी भाषा

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ – पालि, प्राकृत– शौरसेनी, अर्द्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं ; आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण; हिन्दी की बोलियों का परिचय (पूर्वी एवं पश्चिमी हिन्दी के विशेष संदर्भ में); हिन्दी के विविध रूप : हिन्दी , उर्दू, दक्खिनी एवं हिन्दुस्तानी ।

देवनागरी लिपि : सामान्य परिचय; देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं मानकीकरण के प्रयास ; सुधार के प्रयत्न तथा देवनागरी। व्याख्यान-12

अंक विभाजन
पूर्णांक- 100
अभ्यंतर- 20
बाह्य – 80

निर्देश:

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4=60

2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी भी पूछी जायेगी। टिप्पणी के लिये विकल्प भी रहेंगे। 5×4=20

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना।
2. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
3. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

4. हिन्दी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
5. हिन्दी भाषा: उद्भव एवं विकास - डॉ. हरदेव बाहरी।
6. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
7. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. हिन्दी भाषा: स्वरूप और विकास - कैलाश चन्द्र भाटिया।
9. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा
10. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. भाषा विज्ञान - राजमल बोरा
12. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोगिक - विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन ।
13. अनुप्रयोगिक भाषा विज्ञान - रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन
14. हिन्दी भाषा विज्ञान तथा भाषाशास्त्र के विविध पक्ष - प्रो. धर्मदेव तिवारी, चन्द्रमुखी प्रकाशन, दिल्ली
15. सुनीत कुमार चटर्जी - सुकुमार सेन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINC -411

हिन्दी साहित्य का इतिहास-2

(आधुनिककालीन काव्य)

इकाई 1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि: सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियाँ; 1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण; आधुनिकता बोध का विकास, हिन्दी काव्य को भारतेन्दु युग का अवदान; भारतेन्दु मण्डल के कवि तथा अन्य कवि; काव्य भाषा की चेतना और भारतेन्दु युग; भारतेन्दु युगीन कविता की मूल चेतना और विशेषताएँ।

व्याख्यान-12

इकाई 2. द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि ; द्विवेदी युगीन कविता की इतिवृत्तात्मकता। व्याख्यान-12

इकाई 3. छायावाद : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियां और सैद्धांतिकी; आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी, नगेन्द्र, नामवर सिंह, रामविलास शर्मा; प्रमुख छायावादी कवि और उनका काव्य; छायावादकालीन अन्य कवि और उनका काव्य; नवजागरण और छायावाद; छायावादी काव्य-भाषा का स्वरूप। व्याख्यान-12

इकाई 4. छायावादोत्तर काव्यान्दोलन और काव्य : प्रगतिवाद; प्रयोगवाद; नई कविता; अकविता; नवगीत; जनवादी कविता; समकालीन कविता व अन्य काव्य-परिवर्तन; दलित-चेतना, स्त्री-चेतना और जनजातीय चेतना की कविताएं।

व्याख्यान-12

अंक विभाजन

पूर्णांक- 100

अभ्यंतर- 20

बाह्य – 80

निर्देश:

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4=60

2. सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों का उत्तर लिखना है। टिप्पणी के विकल्प भी होंगे। 5×4=20

सहायक ग्रंथ :

1 . हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. हिन्दी साहित्य का अतीत : भाग 1,2 - विनय प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रहमनाल, वाराणसी।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
9. हिन्दी साहित्य: बीसवीं शताब्दी - आ. नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रका. इलाहाबाद।
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
11. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
प्रथम एवं द्वितीय खंड - डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रका, इलाहाबाद।
12. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा
13. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास - सुमन राजे, ज्ञानपीठ, दिल्ली
14. हिन्दी साहित्य : बीसवी शताब्दी - नन्द दुलारे वाजपेयी
15. हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष - शिवदान सिंह चौहान
16. झारखण्ड : अन्धेरे से साक्षात्कार - डॉ. अभिषेक कुमार यादव, मीडिया स्टडीज, नई दिल्ली
17. भारतेंदु हरिश्चन्द्र - मदनगोपाल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
18. महावीर प्रसाद द्विवेदी - नंद किशोर नवल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
19. श्रीधर पाठक - रघुवंश, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
20. सुमित्रा नंदन पंत - कृष्ण दत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINC -412

सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य

इकाई: 1 सूरदास

पाठ्य पुस्तक: भ्रमरगीत सार; संपादक- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

पद संख्या – 9,23,25,34,62,64, 65,82,85,87,95,97,115,120,130, 138,172,278। व्याख्यान-12

इकाई: 2 तुलसीदास

पाठ्य पुस्तक : रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर।

पाठ्यांश : उत्तर काण्ड व्याख्यान-12

दोहा संख्या - 3 से 18 तक।

इकाई: 3 मीराबाई :

पाठ्य पुस्तक : मीराबाई की पदावली : सम्पा. परशुराम चतुर्वेदी।

पद सं- 1,10,17,18,20,22,23,35,36,41,46,116,118,146,158,175,199,200 ।

व्याख्यान-12

इकाई: 4 क घनानंद

पाठ्य पुस्तक : घनानन्द कवित्त; संपा.- आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पद सं. 1 से 15 तक।

ख बिहारी

पाठ्य पुस्तक : बिहारी रत्नाकर; सम्पादक: जगन्नाथदास रत्नाकर।

पाठ्य दोहे-

1,2,5,6,7,15,19,20,21,25,32,38,42,48,51,60,69,73,94,121, 131,141,181,300 तथा 363।

व्याख्यान- 12

निर्देशः

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगीं, जिनमें से एक-एक व्याख्या करनी होगी। 08×4= 32

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 12×4=48

सहायक ग्रंथः-

1. सूरदास - आचर्य रामचन्द्र शुक्ल, ना. प. सभा, काशी।
2. सूर साहित्य - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय - डॉ. दीनदयाल गुप्त, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग।
4. सूर और उनका साहित्य - डॉ. हरवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़ ।

5. सूरदास - नंददुलारे वाजपेयी।
6. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
7. तुलसी और उनका युग - डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी।
8. तुलसी-साहित्य का आधुनिक सन्दर्भ - डॉ. हरीशकुमार शर्मा, साहित्य सहकार प्रकाशन,दिल्ली।

9. रामकथा का विकास - कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद्, प्रयाग।
10. बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी।
11. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद ।
12. घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा - डॉ. मनोहर लाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
13.घनानन्द का काव्य - डॉ. रामदेव शुक्ल, लोकभारती, इलाहाबाद।
14. परमानंद दास का काव्य-शिल्प - डॉ. शशिवाला शर्मा, साहित्य सहकार, दिल्ली।
15. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
16. मीरा का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. मीराबाई - डॉ. सी.एल. प्रभात
18. रामचरितमनस में नारी - डॉ. सुशील कुमार शर्मा, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
19. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
20. बिहारी - बच्चन सिंह, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
21. बोधा - गीता शर्मा, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
22. मीराबाई - ब्रजेन्द्र कुमार सिंहल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
23. नंददास - व्यास मणि त्रिपाठी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINC -413

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई 1. प्लेटो – अनुकरण सिद्धांत।
अनस्तू- अनुकरण, विरेचन और त्रासदी।
लोंजाइनस – उदात्त तत्व।

इकाई 2. क्रोचे – अभिव्यंजनावाद।
आई. ए. रिचर्डस – सम्प्रेषण सिद्धान्त; मूल्य सिद्धांत तथा काव्य भाषा।
टी. एस. इलियट – निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत; परम्परा की अवधारणा; समालोचना के प्रकार्य।

इकाई 3. कॉलरिज – कल्पना सिद्धान्त।
वर्ड्सवर्थ – काव्यभाषा।
मैथ्यू ऑर्नल्ड के साहित्य सिद्धान्त।

इकाई 4. नयी समीक्षा की प्रमुख मान्यताएं।
विविध साहित्यिक वाद :
आदर्शवाद; यथार्थवाद; प्रतीकवाद; मनोविश्लेषणावाद; बिम्बवाद; अस्तित्ववाद एवं उत्तर आधुनिकता।

निर्देश :

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4= 60
2. सभी इकाईयों से 4 टिप्पणियों के उत्तर लिखने हैं। टिप्पणी के लिए विकल्प भी होंगे। 5×4= 20

सहायक ग्रन्थ :

1. पाश्चात्य समीक्षा के चार सूत्रधार - डॉ. उदयशंकर श्रीवास्तव; शिल्पायन, दिल्ली।
2. पाश्चात्य काव्य चिन्तन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण, दिल्ली।
3. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण, दिल्ली
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - गणपति गुप्त, लोकभारती, इलाहाबाद।
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नयी प्रवृत्तियां - राजनाथ, राजकमल, दिल्ली।

HINC -414

आधुनिक काव्य – 1

इकाई: 1 क. अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रिय प्रवास का महाकाव्यत्व ; प्रिय प्रवास की राधा।
पाठांश – प्रिय प्रवास; षष्ठ सर्ग; छन्द सं.- 26 से 83।

ख. मैथिलीशरण गुप्त – साकेत के नवम् सर्ग के सन्दर्भ में गुप्तजी की काव्यगत विशेषताएं; उर्मिला का विरह-वर्णन।
पाठांश – साकेत के नवम् सर्ग से चयनित अंश। व्याख्यान – 12

इकाई: 2

क. जयशंकर प्रसाद- छायावादी काव्य मूल्य और जयशंकर प्रसाद; प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना; कामायनी की प्रतीक-योजना।
पाठांश- 'कामायनी' का इड़ा सर्ग

ख. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – निराला का काव्य- वैशिष्ट्य; राम की शक्ति-पूजा का प्रतिपाद्य; निराला के काव्य में ओज और विद्रोह।
पाठांश – राम की शक्ति पूजा व्याख्यान – 12

इकाई : 3

क. सुमित्रानंदन पंत – पन्त–काव्य और छायावाद ; पंत का प्रकृति-चित्रण।
पाठ्य कविता – परिवर्तन , प्रथम रश्मि। पाठ्य पुस्तक - छायावाद के प्रतिनिधि कवि – डॉ. विजयपाल सिंह ।

ख. महादेवी वर्मा- महादेवी का काव्य और करुणा, पीड़ा और वेदना; महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषताएं।

पाठ्य कविताएं – बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मन्दिर का दीप।
पाठ्य पुस्तक - छायावाद के प्रतिनिधि कवि – डॉ. विजयपाल सिंह । व्याख्यान –12

इकाई : 4 क. हरिवंशराय बच्चन – हरिवंशराय बच्चन की काव्यगत विशेषताएं; निशा निमंत्रण का प्रतिपाद्य
पाठ्य रचना – निशा निमंत्रण के प्रथम चार गीत।

ख. रामधारी सिंह दिनकर – दिनकर के काव्य में राष्ट्रीयता; उर्वशी का प्रतिपाद्य; कामाध्यात्म चिन्तन।
पाठ्यांश – उर्वशी (तृतीय अंक) व्याख्यान – 12

निर्देश –

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो व्याख्याएं पूछी जायेंगीं, जिनमें से एक-एक व्याख्या करनी होगी। 8×4=32
2. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 12×4=48

सहायक ग्रन्थ :

1. साकेत : एक अध्ययन - डॉ. नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
2. साकेत के नवम सर्ग का काव्य वैभव - कन्हैयालाल सहल, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली।
3. जयशंकर प्रसाद - नन्द दुलारे वाजपेयी।
4. प्रसाद और उनका साहित्य - विनोद शंकर व्यास
5. जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला - डॉ रामेश्वर खण्डेलवाल।
6. प्रसाद का काव्य - डॉ. प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. निराला की साहित्य साधना, भाग 1,2,3 - डॉ. रामविलास शर्मा
8. निराला एक आत्महन्ता आस्था - दूधनाथ सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद।
9. छायावाद - डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. क्रांतिकारी कवि निराला - डॉ. बच्चन सिंह
11. कामायनी अनुशीलन - रामलाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
12. राम की शक्तिपूजा - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
13. महादेवी का काव्य सौष्ठव - कुमार विमल, अनुपम प्रकाशन, पटना।
14. महादेवी - दूधनाथ सिंह, राजकमल, इलाहाबाद।
15. कवि सुमित्रानंदन पंत - नंद दुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
16. सुमित्रानंदन पंत : कवि और काव्य - शारदालाल प्रकाशन, दिल्ली।
17. महादेवी - इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
18. हरिऔध के महाकाव्यों की नारी पात्र - रेणु श्रीवास्तव, अमन प्रकाशन, कानपुर।
19. दिनकर का कुरुक्षेत्र और मानवतावाद - डॉ. मोहसिन खान
20. पन्त की दार्शनिक चेतना - डॉ. सुरेशचन्द्र गुप्त, प्रकाश बुक डिपो, बरेली

HINC -415

हिन्दी नाटक एवं निबंध

इकाई : 1 **नाटक**

आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश — व्याख्यान – 12

इकाई : 2 **एकांकी**

पाठ्य एकांकी :

स्ट्राइक – भुवनेश्वर

सूखी डाली- उपेन्द्रनाथ 'अश्क' ।

भोर का तारा- जगदीश चन्द्र माथुर — व्याख्यान – 12

इकाई : 3 **निबंध**

पाठ्य निबंध :

भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेन्दु

एक दुराशा – बालमुकुन्द गुप्त

उत्साह – रामचन्द्र शुक्ल

कुटज – हजारी प्रसाद द्विवेदी — व्याख्यान -12

इकाई : 4

मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

पगडण्डियों का जमाना – हरिशंकर परसाई

उत्तराफागुनी के आसपास – कुबेरनाथ राय — व्याख्यान –12

संस्कृति और सौन्दर्य - नामवर सिंह

अंक विभाजन

पूर्णांक- 100

अभ्यंतर- 20

बाह्य – 80

निर्देश –

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो व्याख्याएं पूछी जायेंगीं, जिनमें से एक-एक व्याख्या करनी होगी। 8×4=32

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 12×4=48

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
2. रंग दर्शन - नेमिचन्द्र जैन
3. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – हजारीप्रसाद द्विवेदी राजकमल, दिल्ली।
4. रामचन्द्र शुक्ल – मलयज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिन्दी नाटक - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. हिन्दी : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी, लोक भारती।
9. हिन्दी ललित निबन्ध : स्वरूप विवेचन – वेदवती राठी, लोक भारती।
10. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – विजयमोहन सिंह, ज्ञानपीठ।
11. हिन्दी का गद्य पर्व – नामवर सिंह, राजकमल।
12. हजारीप्रसाद द्विवेदी: समग्र पुनरावलोकन – चौकीराम मिश्र, लोकभारती।
13. दो रंगपुरुष - डॉ. जमुना बीनी तादर, रीडिंग रूम्स, दिल्ली
14. अध्यापक पूर्ण सिंह - रामचन्द्र तिवारी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
15. कुबेर नाथ राय - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
16. जगदीश चन्द्र माथुर - सत्येन्द्र कुमार तनेजा, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
17. भुवनेश्वर - गिरीश रस्तोगी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
18. मोहन राकेश - प्रतिभा अग्रवाल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
19. हरिशंकर परसाई - विश्वनाथ त्रिपाठी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINC -501

हिन्दी साहित्य का इतिहास – 3

(गद्य साहित्य एवं पत्रकारिता)

इकाई : 1

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास; आधुनिककालीन परिस्थितियों का हिन्दी गद्य के विकास में योगदान; भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य और गद्यकार; भारतेन्दु युगीन हिन्दी गद्य एवं गद्यकार; आधुनिक हिन्दी गद्य के प्रारम्भिक उन्नयन में विभिन्न व्यक्तियों एवं संस्थाओं की भूमिका; भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का हिन्दी गद्य को अवदान; हिन्दी गद्य के विकास में आ. महावीरप्रसाद द्विवेदी की भूमिका। व्याख्यान – 12

इकाई : 2

हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का उद्भव और विकास : नाटक, निबन्ध, उपन्यास, कहानी, एकांकी, आलोचना, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, साक्षात्कार, रिपोर्ताज, यात्रा-साहित्य तथा पत्र साहित्य व्याख्यान – 12

इकाई : 3

दक्खिनी हिन्दी साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय; उर्दू साहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय; हिन्दी–उर्दू साहित्य का पारस्परिक सम्बन्ध; हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य का सह-सम्बन्ध; हिन्दी का प्रवासी साहित्य। व्याख्यान – 12

इकाई : 4

भारत में प्रेस का उदय और हिन्दी पत्रकारिता का आरम्भ; हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास; भारतेन्दुकालीन हिन्दी पत्र-पत्रिकाएं और उनके सम्पादक; द्विवेदीयुगीन हिन्दी पत्रकारिता और सरस्वती पत्रिका; स्वातन्त्र्य-पूर्व हिन्दी पत्रकारिता; भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका; स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता; हिन्दी गद्य के विकास में हिन्दी पत्रकारिता का योगदान; पूँजी, तकनीक और हिन्दी पत्रकारिता।

व्याख्यान – 12

अंक विभाजन
पूर्णांक- 100
अभ्यंतर- 20
बाह्य – 80

निर्देश:

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4=60

2. सभी इकाइयों से 4 टिप्पणियों के उत्तर लिखने हैं। टिप्पणियों के विकल्प भी होंगे। 5×4=20

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
5. साहित्यिक निबंध - सं. डॉ. त्रिभुवन सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
6. साहित्यिक निबंध – डॉ. गणपति चन्द्रगुप्त, लोकभारती, इलाहाबाद।
7. वृहद साहित्यिक निबंध – डॉ. रामसागर त्रिपाठी, डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त।
8. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. एहतेशाम हुसैन, लोकभारती, इलाहाबाद।
10. समकालीन हिन्दी साहित्य : विविध परिदृश्य - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
11. दक्खिनी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. इकबाल अहमद, लोकभारती, इलाहाबाद।
12. हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी - पद्म सिंह शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद।
13. उर्दू का आरम्भिक युग - शम्सुर्रहमान फारूकी, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. हिंदी नवजागरण और जातीय गद्य परंपरा – कर्मेन्दु शिशिर, आधार प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, पंचकूला।
15. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
17. हिन्दी पत्रकारिता : उद्भव और विकास – विनोद गोदरे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. गणेश शंकर विद्यार्थी - कृष्ण बिहारी मिश्र, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
19. गालिब - मुहम्मद मुजीष, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
20. नजीर अकबराबादी - मुहम्मद हसन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINC -502

हिन्दी आलोचना एवं आलोचक

इकाई: 1 हिन्दी आलोचना का विकास एवं मुख्य आलोचना दृष्टियाँ : हिन्दी आलोचना का आरंभिक स्वरूप; हिन्दी आलोचना का विकास; हिन्दी आलोचना की प्रमुख दृष्टियाँ - शास्त्रीय, ऐतिहासिक, मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय, मनोविश्लेषणवादी, रूपवादी, दलित-विमर्श, स्त्री-विमर्श। व्याख्यान-12

इकाई: 2 हिन्दी के प्रमुख आलोचक

1. रामचन्द्र शुक्ल
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. नन्द दुलारे वाजपेयी व्याख्यान-12

इकाई: 3 हिन्दी के प्रमुख आलोचक

1. रामविलास शर्मा
2. नामवर सिंह
3. डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी व्याख्यान-12

इकाई: 4 रचनाकार आलोचक

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्सायन 'अज्ञेय'
2. गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
3. निर्मल वर्मा व्याख्यान-12

निर्देश :

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4= 60 अंक
2. पाँचवें प्रश्न के रूप में कुल आठ टिप्पणियां पूछी जायेंगी। इनमें से चार के उत्तर लिखने होंगे। 5×4=20 अंक

सहायक ग्रंथ:

1. कविता के नए प्रतिमान - डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. आलोचक और आलोचना - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. हिन्दी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. हिन्दी आलोचना: शिखरों का साक्षात्कार – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य – डॉ. चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी।
6. तीसरा रुख – पुरुषोत्तम अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. नई कविता और अस्तित्ववाद – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. दलित विमर्श की भूमिका – कंवल भारती, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. स्त्री उपेक्षिता – सीमोन द बोउवार, अनु.- प्रभा खेतान, हिन्द पाकेट बुक्स; दिल्ली।
11. हिन्दी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. इतिहास और आलोचना – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. हिन्दी आलोचना का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रका. दिल्ली।
15. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. हिंदी के प्रहरी – रामविलास शर्मा, सं. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिलली।
18. शिवदान सिंह चौहान का आलोचना-कर्म – अमरेन्द्र त्रिपाठी, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
19. आलोचना और आलोचना – देवी शंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
20. वाद, विवाद, संवाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
21. अज्ञेय - रमेश चन्द्र शाह, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
22. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - रामचन्द्र तिवारी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
23. डॉ. नगेन्द्र - निर्मला जैन, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
24. मुक्तिबोध - नंदकिशोर नवल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
25. रामस्वरूप चतुर्वेदी - हनुमान प्रसाद शुक्ल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
26. शिवदान सिंह चौहान - पुरुषोत्तम अग्रवाल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINE -503 (क)
भारतीय साहित्य

इकाई : 1 सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत; भारतीय साहित्य की अवधारणा; भारतीय साहित्य का स्वरूप; बहुभाषिकता और भारतीय साहित्य; बहुसांस्कृतिकता और भारतीय साहित्य। व्याख्यान- 12

इकाई : 2 उपन्यास :
पाठ्य पुस्तक – मौन होंठ मुखर हृदय, लेखक – येशे दोरजी थोंङ्ची;
अनुवादक – दिनकर कुमार ; वाणी प्रकाशन, दिल्ली। व्याख्यान- 12

इकाई : 3 नाटक :
पाठ्य पुस्तक – तुगलक ; लेखक – गिरीश कर्नाड । व्याख्यान- 12

इकाई : 4 कविता :
पाठ्य पुस्तक – आधुनिक भारतीय कविता; सम्पा.- अवधेश नारायण मिश्र, नन्दकिशोर पाण्डेय ।
विश्वविद्यालय प्रकाशन
पाठ्य कविताएँ
क. असमिया – नवकान्त बरुआ
ख. मणिपुरी - लेनचेनवा मीतै
ग. सन्थाल – निर्मला पुतुल
घ. डोगरी - पद्मा सचदेव

व्याख्यान 12

अंक विभाजन
पूर्णांक – 100
आभ्यांतर- 20
बाह्य – 80

निर्देश :
1. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा।
14×4= 56 अंक
2. इकाई 2,3 तथा 4 से दो-दो व्याख्याएं पूछी जायेंगी, जिनमें से एक-एक व्याख्या करनी होगी।
8×3= 24 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्थापनाएं - के सच्चिदानन्द, राजकमल, दिल्ली।
2. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं – रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय साहित्य - डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
4. भारतीय साहित्य – डॉ. मूलचन्द गौतम (सम्पादक), राधाकृष्ण, दिल्ली।
5. भारतीयता की पहचान – केशवचन्द्र वर्मा, लोकभारती, दिल्ली।
6. भारतीय और विश्व कविता - क. र. श्रीनिवास अयंगार।
7. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था - डॉ. आरसु, राजकमल, दिल्ली।
8. भारतीय साहित्य की भूमिका – रामविलास शर्मा, राजकमल ।
9. भारतीय महाकाव्य - डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
10. History of Indian Literature (2 Vol.) – शिशिर कुमार दास, साहित्य अकादमी, दिल्ली ।
11. Indian Culture and Heritage (Vol. 3) **– Ramkrishna Mission, Kolkata**
12. दो रंग पुरुष – डॉ. जमुना बीनी तादर, रीडिंग रूम्स, दिल्ली
13. अमृता प्रीतम - सुतिन्दर सिंह नूर, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
14. काजी नज़रूल इस्लाम - गोपाल हाल्दार, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
15. रवीन्द्रनाथ ठाकुर - शिशिर कुमार घोष, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
16. वेमना - ए. रमेश चौधरी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINE- 504 (ग)

छायावाद

इकाई-1	जयशकंर प्रसाद पाठ्य रचना-आँसू।	व्याख्यान- 12
इकाई- 2	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' पाठ्य कविता- तुलसीदास, राजकमल प्रकाशन दिल्ली। बादल राग-1, सन्ध्या सुन्दरी, जागो फिर एक बार- 6	व्याख्यान- 12
इकाई-3	सुमित्रानंदन पंत पाठ्य पुस्तक- आधुनिक कवि : पन्त; हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग। पाठ्य कविताएँ- नौका बिहार, एक तारा।	व्याख्यान- 12
इकाई-4	महादेवी वर्मा पाठ्य पुस्तक– आधुनिक कवि : सुश्री महादेवी वर्मा। हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग। पाठ्य कविताएं– मधुर-मधुर मेरे दीपक जल विरह का जलजात जीवन क्या पूजन क्या अर्चन रे ?	व्याख्यान 12

अंक विभाजन
पूर्णांक- 100
अभ्यंतर- 20
बाह्य – 80

निर्देश:

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो व्याख्याएं पूछी जायेंगीं, जिनमें से एक-एक व्याख्या करनी होगी। 8×4=32

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 12×4= 48

सहायक ग्रन्थ :

1. जयशंकर प्रसाद - नन्द दुलारे वाजपेयी।
2. प्रसाद और उनका साहित्य - विनोद शंकर व्यास।
3. जयशंकर प्रसाद वस्तु और कला – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल।
4. प्रसाद का काव्य - डॉ. प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. निराला की साहित्य साधना, भाग 1, 2, 3 – डॉ. रामविलास शर्मा
6. निराला एक आत्महन्ता आस्था - दूधनाथ सिंह, लोक भारती, इलाहाबाद।
7. छायावाद - डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. क्रांतिकारी कवि निराला - डॉ. बच्चन सिंह
9. कामायनी अनुशीलन – रामलाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. राम की शक्तिपूजा – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
11. महादेवी का काव्य सौष्ठव - कुमार विमल, अनुपम प्रकाशन, पटना।
12. महादेवी - दूधनाथ सिंह, राजकमल, इलाहाबाद।
13. कवि सुमित्रानंदन पंत - नंद दुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
14. सुमित्रानंदन पंत : कवि और काव्य - शारदालाल प्रकाशन, दिल्ली।
15. महादेवी - इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

16. जयशंकर प्रसाद - रमेश चन्द्र शाह, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

HINE-511

समकालीन हिन्दी काव्य

इकाई: 1	क. नागार्जुन- कालिदास, बादल को घिरते देखा है, शासन की बन्दूक। ख. अज्ञेय– असाध्यवीणा।	व्याख्यान- 12
इकाई: 2	क. मुक्तिबोध – अंधेरे में (पाठ्यांश-1, 4 तथा 8 का उत्तरार्द्ध)। ख. धर्मवीर भारती- अन्धा युग; पाठ्यांश– समापन (प्रभु की मृत्यु)	व्याख्यान- 12
इकाई: 3	क. भवानी प्रसाद मिश्र- गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल, ख. रघुवीर सहाय – स्वाधीन व्यक्ति, आत्महत्या के विरुद्ध। ग. धूमिल- अकाल-दर्शन, रोटी और संसद	व्याख्यान- 12
इकाई: 4	क. वीरेन डंगवाल – हमारा समाज; उजले दिन। संग्रह– दुष्चक्र में स्रष्टा, राजकमल, दिल्ली ख. अरुण कमल – मुक्ति; हमारे युग का नायक। संग्रह– प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल, दिल्ली। ग. अनामिका- दरवाजा, चिट्ठी लिखती हुई औरत, कूड़ा बीनते बच्चे।	व्याख्यान- 12

पूर्णांक- 100
अभ्यंतर- 20
बाह्य – 80

निर्देश:

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 12×4= 48

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो व्याख्याएं पूछी जायेंगी, जिनमें से एक-एक व्याख्या करनी होगी। 8×4=32

सहायक ग्रंथः-

1. मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना -नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
2. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा -नन्दकिशोर आचार्य, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
3. अज्ञेय की कविताः मूल्यांकन -चन्द्रकांत बाण्डिवडेकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. मुक्तिबोध की काव्य-प्रक्रिया -अशोक चक्रधर, भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली।
5. कविता के नये प्रतिमान -नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. समकालीन हिन्दी कविता -डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या –रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. सदी के अन्त में कविता -सं. डॉ. विजयकुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. समकालीन कविता का यथार्थ -डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
10. नयी कविताः स्वरूप और संवेदना –डॉ. जगदीश गुप्त।
11. नयी कविता और अस्तित्ववाद -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली।
12. शब्द और मनुष्य -परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
13. कवि कह गया है -अशोक वाजपेयी
14. समकालीन कविता के बारे में -नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
15. रचना और आलोचना -देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
16. रघुवीर सहाय का कवि कर्म -सुरेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
17. कवियों की पृथ्वी -अरविंद त्रिपाठी
18. एक कवि की नोटबुक -राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
19. हिन्दी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास –डॉ. अवधेशनारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी
20. कवियों की पृथ्वी -अरविवन्द्र त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, पंचकूला
21. समकालीन कविता के आयाम -पी. रवि, लोकभारती, इलाहाबाद
22. काव्यभाषा और नागार्जुन की कविता -कमलेश वर्मा, पेरियार प्रकाशन, पटना
23. रघुवीर सहाय - पंकज चतुर्वेदी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
24. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - कृष्ण दत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
25. सुदामा पाण्डेय धूमिल - अवधेश प्रधान, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
26. शमशेर बहादुर सिंह - प्रभाकर श्रोत्रिय , साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

.....

HINC-512

हिन्दी उपन्यास एवं आत्मकथा

इकाईः 1	परीक्षा-गुरु	व्याख्यान- 12
इकाईः 2	गोदान– प्रेमचन्द	व्याख्यान- 12
इकाईः 3	हिन्दी उपन्यास बाणभट्ट की आत्मकथा- हजारीप्रसाद द्विवेदी	व्याख्यान- 12
इकाईः 4	एक कहानी यह भी- मन्नू भण्डारी	व्याख्यान- 12

अंक विभाजन
पूणांक – 100
अभ्यन्तर – 20
बाह्य - 80

निर्देशः

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 14×4=56

2. इकाई 2, 3, तथा 4 से दो-दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगीं जिनमें से एक-एक व्याख्या करनी होगी। 8×3=24

सहायक ग्रंथः-

1. हिन्दी उपन्यास - सं. नित्यानंद तिवारी
2. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा - रामदरश मिश्र, राजकमल , दिल्ली।
3. उपन्यास का उदय - इयान वॉट
4. उपन्यास के पहलू - ई. एम. फोस्टर
5. उपन्यास और लोक जीवन - रॉल्फ फॉक्स
6. कथा विवेचना और गद्य शिल्प - रामविलास शर्मा
7. दूसरी परम्परा की खोज - नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली।
8. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास - इन्द्रनाथ
9. कलम का सिपाही - अमृत राय
10. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय, राजकमल, दिल्ली।
11. कलम का मजदूर - मदन गोपाल
12. प्रेमचन्द और उनका युग - रामविलास शर्मा
13. आत्मकथा की संस्कृति - पंकज चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. बाणभट्ट की आत्मकथाः पाठ और पुनर्पाठ – सं. मधुरेश , आधार प्रकाशन प्र. लि. पंचकूला।
15. प्रेमचन्द विश्वकोश (5 खंड) – डॉ. कमल किशोर गोयनका
16. हिन्दी के महिला उपन्यासकार – प्रो. एम. वेंकटेश्वर, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
17. हिन्दी उपन्यासों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन – प्रो. एम. वेंकटेश्वर, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर

.....

HINE-513 (क)
अरुणाचली लोक साहित्य

इकाईः 1 लोक : अर्थ एवं अवधारणा, लोक साहित्य : स्वरूप एवं भेद, साहित्य एवं लोक साहित्य, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, लोक साहित्य के विविध अंगों- लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य तथा लोक सुभाषित का परिचय, लोक साहित्य का महत्त्व तथा लोक साहित्य की सीमाएँ एवं सम्भावनाएँ। व्याख्यान- 12

इकाईः 2. अरुणाचल : भौगोलिक स्थिति, ऐतिहासिक परिचय, अरुणाचल की जनजातियों का सामान्य परिचय, अरुणाचल की बोलियाँ एवं उनमें उपलब्ध लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण। व्याख्यान- 12

इकाईः3. अरुणाचली लोकगीत : सामान्य परिचय एवं वर्गीकरण, अरुणाचली लोकगीतों का सोदाहरण वैशिष्ट्य, अरुणाचल की लोककथाओं के विविध रूप और उनके उदाहरण, अरुणाचली लोककथाओं की विशेषताएँ। व्याख्यान- 12

इकाईः4. अरुणाचल के लोकनृत्य, अरुणाचली लोक-सुभाषित- मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ आदि। अरुणाचली लोक साहित्य के संग्रह की आवश्यकता एवं इस कार्य में आने वाली कठिनाइयाँ, अरुणाचल के लोक साहित्य का संग्रह : उपलब्धियाँ एवं सम्भावनाएँ। व्याख्यान- 12

अंक विभाजन
पूर्णांकः 100
अभ्यंतरः 20
बाह्यः 80

निर्देशः-

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4= 60 अंक

2. पाँचवे प्रश्न के रूप में कुल आठ टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी, जिनमें से चार का उत्तर लिखना होगा। 5×4= 20 अंक

सहायक ग्रंथः-

1. लोक साहित्य विज्ञान - सं. सत्येन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. लोक साहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
3. लोक साहित्य विमर्श - डॉ. श्याम परमार, राजकमल प्रकाशन, वाराणसी
4. लोक साहित्य और संस्कृति - डॉ. दिनेश्वर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास (16 वां भाग) – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. अरुणाचल के त्योहार - डॉ. धर्मराज सिंह
7. अरुणाचल की आदी जनजाति का सामाजिक अध्ययन – डॉ. धर्मराज सिंह
8. मनोरम भूमि अरुणाचल - माता प्रसाद
9. अरुणप्रभा - अरुणाचल विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की शोध पत्रिका, प्रवेशांक- 2001 तथा संयुक्तांक 2002-2003 (अरुणाचल विशेषांक)
10. कस्टमरी लॉज ऑफ न्यीशी - नाबम नाका हिना, आर्ट्स प्रेस, दिल्ली
11. आदी जनजाति : साहित्य एवं समाज - डॉ. ओकेन लेगो, यश पब्लिकेशन, दिल्ली
12. न्यीशी लोक गीत : सांस्कृतिक अध्ययन - डॉ. जोरम आन्या ताना, गौतम बुक सेंटर, दिल्ली
13. न्यीशी जनजाति का समाजभाषिक अध्ययन – डॉ. जोरम यालम, विजय भारती प्रकाशन, असम
14. राष्ट्रीय स्मृति, संस्कृति और भाषा - डॉ. हरीश कुमार शर्मा, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
15. फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों में लोक-संस्कृति - डॉ. हरीशकुमार शर्मा, जास्मिन पब्लिकेशन, दिल्ली

HINE-514 (क)

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई -1 प्रयोजनमूलक हिन्दी: परिभाषा और स्वरूप, प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता एवं विशेषताएं।
हिन्दी भाषा के विविध रूप- राष्ट्रभाषा, राजभाषा तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
भारतीय संविधान में हिन्दी की स्थिति : अनुच्छेद 343 से 351 तक, अनुच्छेद 120 और 210।

व्याख्यान- 12

इकाई- 2 **राजभाषा कार्यान्वयन**

राष्ट्रपति के आदेश सन् 1952, 1955 एवं 1960
राजभाषा अधिनियम– 1963 यथा संशोधित- 1967
राजभाषा नियम- 1976 यथ संशोधित 1987
राजभाषा के रूप में हिन्दी की भूमिका एवं चुनौतियां। व्याख्यान- 12

इकाई – 3 **कार्यालयी हिन्दी : कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, कार्यालयी पत्राचार**

प्रारूपण
टिप्पणी
परिपत्र
ज्ञापन
प्रतिवेदन
अनुस्मारक
अधिसूचना
पृष्ठांकन व्याख्यान- 12

इकाई- 3 कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद :
अनुवाद : अर्थ एवं अभिप्राय; अनुवाद के प्रकार- अन्त:भाषिक अनुवाद; अन्तर-अनुशासनिक अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद, जन-संचार सम्बन्धी सामग्री का अनुवाद, कार्यालयीन सामग्री का अनुवाद, अन्तर प्रतीकात्मक अनुवाद एवं अनुवादक की कसौटी; मशीनी अनुवाद; अनुवाद की चुनौतियां; अनुवाद की भूमिका; अनुवाद एवं आशु अनुवाद में अन्तर; आशु अनुवाद के क्षेत्र। व्याख्यान- 12

इकाई- 4 मीडिया लेखन : समाचार लेखन, रेडियो-लेखन, विज्ञापन-लेखन, फीचर-लेखन, पटकथा-लेखन। मीडिया और कम्प्यूटर।

व्याख्यान- 12

अंक विभाजन
पूर्णांक- 100
अभ्यंतर- 20
बाह्य – 80

निर्देश:

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 15×4= 60

2. प्रत्येक इकाई से एक-एक टिप्पणी पूछी जायेगी। टिप्पणी हेतु विकल्प भी होंगे। 5×4= 20

सहायक ग्रंथः-

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
3. आधुनिक पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, विश्वविधालय प्रकाशन, वाराणसी
4. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
5. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
6. कार्यालयी अनुवाद की निर्देशिका - गोपीनाथ श्रीवास्तव, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
7. अनुवाद कला - डॉ.विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. अनुवादः सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
9. हिन्दी भाषा - हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
10. संवाददाता, सत्ता और महता - हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद
11. सम्पादन के सिद्धांत - रामचन्द्र तिवारी, आलेख प्रकाशन , दिल्ली
12. प्रेस विधि - नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
13. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र
14. टेलीविजनः सिद्धान्त और टेकनीक - मथुरादत शर्मा
15. रेडियो लेखन - मधुकर गंगाधर

.....

HINE-515(ख)

तुलसीदास

इकाईः1 रामचरित मानस – गीता प्रेस, गोरखपुर

पाठ्य-अंश : अयोध्याकाण्ड; दोहा संख्या 191 से 205 तक

व्याख्यान -12

इकाईः2 रामचरित – गीता प्रेस , गोरखपुर

पाठ्य-अंश : उत्तर काण्ड; दोहा संख्या 14 से 120 तक

व्याख्यान -12

इकाईः3 कवितावली; गीता प्रेस, गोरखपुर

बाल रूप की झाँकी	3 पद
बाल लीला	4 पद
उत्तर काण्ड	प्रारंभ से 15 पद

व्याख्यान -12

इकाईः4 विनय पत्रिका

पद संख्या 95 से 115 तक

व्याख्यान 12

अंक विभाजन

पूर्णांक -100

अभ्यन्तर- 20

बाह्य – 80

निर्देशः

1. प्रत्येक इकाई से दो-दो व्याख्याएँ पूछी जायेंगीं, जिनमें से एक-एक व्याख्या करनी होगी। 8×4=32

2. प्रत्येक इकाई से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से एक-एक का उत्तर लिखना होगा। 12×4=48

सहायक ग्रंथ :

1. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. मानस दर्शन - डॉ. श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, काशी।
3. तुलसी और उनका गुण - डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, काशी।
4. रामकथा का विकास - कामिल बुल्के, हिन्दी परिषद्, प्रयाग।
5. लोकवादी तुलसीदास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. तुलसी - सं. उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. तुलसी-साहित्य का आधुनिक संदर्भ - डॉ. हरीशकुमार शर्मा, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
8. रामचरित मानस और आधुनिक जीवन की समस्याएँ – डॉ. भगवानशरण भारद्वाज, लोकवाणी संस्थान, दिल्ली।

.....